✺ 12 मई 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ✺

✺ ज्ञान-

1] ज्ञान तो बहुत सहज है, कोई बड़ी बात नहीं है। परन्तु पत्थरबुद्धि ऐसे हैं जो पारसबुद्धि होना ही असम्भव समझते हैं। नर्कवासी से स्वर्गवासी बनने में बड़ी मेहनत लगती है क्योंकि माया का प्रभाव है।

2] मनुष्य 100 मंजिल आदि जो बनाने हैं, उसमें भी पैसे आदि तो लगते हैं ना। वहाँ पैसे आदि लगते ही नहीं। अथाह धन रहता है। पैसे का कदर नहीं। ढेर पैसे होंगे तो क्या करेंगे। सोने, हीरे, मोतियों के महल आदि बना देते हैं। अभी तुम बच्चों को कितनी समझ मिली है। समझ और बेसमझ की ही बात है।

3] पहले-पहले तो श्रीकृष्ण को ही मानेंगे। उनकी राजधानी है। बहुत जन्म भी उनके होंगे। यह तो बहुत सहज बात है। परन्तु मनुष्य इन बातों पर ध्यान नहीं देते हैं। बाप समझाते हैं तो वन्डर खाते हैं। बाप एक्यूरेट बताते हैं फर्स्ट सो लास्ट। फर्स्ट हीरे जैसा, लास्ट कौड़ी जैसा। फिर हीरे जैसा बनना है, पावन बनना है, इसमें तकलीफ क्या है।

✺ योग-

1] तुम यहाँ बैठे-बैठे बाप को याद करते हो और विश्व के मालिक बन जाते हो। कैसे भी करके बाप को याद जरूर करना है। इसमें हठयोग करने वा आसन आदि लगाने की बात नहीं हैं। बाबा कोई भी तकलीफ नहीं देते हैं। कैसे भी बैठो सिर्फ तुम याद करो कि हम मोस्ट बिलवेड बच्चे हैं। तुमको बादशाही ऐसे मिलती है जेसे माखन से बाल।

✺ धारणा-

1] बाबा कहते– बच्चे, काम महाशत्रु है, इस पर विजय प्राप्त करो। यही तुम्हें थोड़ी-सी मेहनत देता हूँ। तुम्हें सम्पूर्ण पावन बनना है। पतित से पावन अर्थात् पारस बनना है।

2] बाप कहते हैं मामेकम् याद करो तो तुम्हारे पाप भस्म हो जायेंगे। यह योग अग्नि है, जिससे तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे। यह तरीका बाप ने ही बताया है। तुम बच्चे जानते हो– बाप सबको गुल-गुल बनाकर, नयनों पर बिठाए ले जाते हैं। कौन-से नयन? ज्ञान के। आत्माओं को ले जाते है।

3] ज्ञान रत्नों से, गुणों और शक्तियों से खेलो, मिट्टी से नहीं।

✺ सेवा-

1] तुम सबको कहते भी हो– भगवान् आया है। परन्तु समझते नहीं। युक्ति से बताना पड़े। हद और बेहद के दो बाप हैं। अब बेहद का बाप राजाई दे रहे है।

2] शुभचिंतन नहीं है तो शुभचिंतक भी नहीं बन सकते। वर्तमान समय इन दोनों बातों का अटेन्शन रखो क्योंकि बहुत सी समस्यायें ऐसी है, लोग ऐसे हैं जो वाणी से नहीं समझते लेकिन शुभचिंतक बन वायब्रेशन दो तो बदल जायेंगे।